सोमवार
30 मार्च, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 55 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
- सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
- स्मार्ट क्लास
- सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
- कंप्यूटर क्लास

साधारण परिवार के आनंद ने मैट्रिक में 482 अंक पाकर राज्य में नौवां स्थान हासिल किया

नगरनौसा (अपना नालंदा)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा जारी मैट्रिक (दसवीं) परीक्षा परिणाम में साधारण परिवार से आने वाले छात्र आनंद कुमार ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर राज्य में नौवां स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आनंद कुमार ने कुल 482 अंक प्राप्त किए हैं। उनकी इस सफलता से माता-पिता, विद्यालय परिवार और पूरे इलाके में खुशी का माहौल है।

आनंद कुमार नगरनौसा प्रखंड के उच्च विद्यालय रामपुर के छात्र हैं। वे मूल रूप से रहुई प्रखंड के सुसंडी गांव के निवासी हैं। वर्तमान में वे अपने ननिहाल के पास स्थित बमपुर गांव में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और लगन से पढ़ाई करयह बड़ी सफलता हासिल की।

आनंद के पिता रविकांत कुमार पंडित टाइल्स मिस्त्री का काम करते हैं, जबकि उनकी मां गांव में सिलाई का काम करती हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद माता-पिता ने बेटे की पढ़ाई में पूरा सहयोग दिया। आनंद दो भाई और एक बहन में सबसे बड़े हैं और परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

अपनी सफलता का श्रेय आनंद ने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही यह संभव हो पाया। आनंद का सपना आगे चलकर इंजीनियर बनना है।

आनंद की इस उपलब्धि से विद्यालय के शिक्षक और ग्रामीण भी काफी खुश हैं। लोगों का कहना है कि उनकी मेहनत और लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा।

नालंदा का टॉप-10 अपराधी अविनाश कुमार मौसेरे भाई संग गिरफ्तार

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल अविनाश कुमार को पुलिस ने उसके मौसेरे भाई के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को बिहारशरीफ के रामचन्द्रपुर स्थित अंजता सिनेमा के पीछे की गली से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में अविनाश कुमार (पुत्र रामकुमार सिंह), निवासी भातु बिगहा, थाना बेन, जिला नालंदा तथा कुशल राज उर्फ प्रिंस (पुत्र पवन सिंह), निवासी नयाटोला माधोपुर, थाना बख्तियारपुर, जिला पटना शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार 28 मार्च को गुप्त सूचना मिली थी कि बेन थाना कांड संख्या 18/26 के दोनों नामजद अभियुक्त बिहारशरीफ के रामचन्द्रपुर इलाके में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर को जानकारी दी गई, जिसके बाद बेन थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन कियागया। टीम ने रात करीब साढ़े आठ बजे छापेमारी कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ के दौरान दोनों अपराधियों ने स्वीकार किया कि 24 जनवरी की रात करीब 11 बजे उन्होंने नीरज कुमार के घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट की थी तथा देशी कट्टे से फायरिंग की थी। घटना के बाद हथियार को भातु बिगहा गांव स्थित एक धागा फैक्ट्री के पास पुराने आटा चक्की की दीवार के ऊपर बने बॉक्स में छिपा दिया था। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर वहां से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। बरामद हथियार के संबंध में अलग से मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष रविराज सिंह, अवर निरीक्षक धर्मेंद्र चौधरी, कंचन कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक श्याम सुंदर राम, रंजय कुमार सिंह तथा पुलिसकर्मी करण कुमार, राजीव कुमार रंजन, अनिल चौधरी और गौरव कुमार शामिल थें।

हरनौत की दिव्या ने मैट्रिक में 481 अंक पाकर राज्य में दसवां तथा जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड के लोहरा गांव की होनहार छात्रा दिव्या कुमारी ने मैट्रिक (कक्षा 10वीं) परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 481 अंक प्राप्त किए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पूरे बिहार में दसवां तथा नालंदा जिले में दूसरा स्थान हासिल कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दिव्या हरनौत बाजार स्थित प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल की छात्रा है।

संकुल समन्वयक राजाराम पासवान ने बताया कि परीक्षा परिणाम आने से पहले दिव्या को पटना के सिन्हा लाइब्रेरी रोड स्थित बिहार विद्यालय परीक्षा समिति कार्यालय में साक्षात्कार एवं प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए बुलाया गया था। कुछ विषयों में मामूली अंतर के कारण वह राज्य की शीर्ष स्थान की सूची में ऊपर नहीं आ सकीं, लेकिन उनका प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा।दिव्या ने हिंदी, गणित, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषय में 96-96 अंक प्राप्त किए हैं, जबकि संस्कृत में 97 अंक हासिल किए। इस तरह उन्होंने कुल 481 अंक प्राप्त कर 96.2 प्रतिशत अंक के साथ

उत्कृष्ट सफलता हासिल की है।

दिव्या ने बताया कि उन्होंने हरनौत बाजार में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई की और नियमित मेहनत से यह सफलता पाई। उनका लक्ष्य आगे चलकर आईआईटी की परीक्षा पास कर इंजीनियर बनना है।

दिव्या के पिता राजेश कुमार हरनौत बाजार में मैकेनिक का काम करते हैं, जबकि उनकी मां रजनी देवी गृहिणी हैं। बेटी की इस सफलता से पूरा परिवार बेहद खुश है। रजनी देवी ने कहा कि बेटियों को कभी कम नहीं समझना चाहिए, उन्हें भी अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके चार बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी डीएलएड की पढ़ाई कर रही है।

चंडी के छात्र ऋषभ राज ने 479 अंक लाकर जिले में पाया तीसरा स्थान

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बापू हाई स्कूल, चंडी के मेधावी छात्र ऋषभ राज ने मैट्रिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 479 अंक प्राप्त कर नालंदा जिले में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उल्लेखनीय सफलता से उन्होंने अपने माता-पिता, विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

परिणाम घोषित होते ही परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने मिठाई खिलाकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया और छात्र को बधाइयां दीं।

ऋषभ राज के पिता दया शंकर पाटश्वरी पेशे से शिक्षक हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। चार भाई-बहनों में ऋषभ शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी और अनुशासित छात्र रहे हैं। उनकी इस सफलता से परिजन और गांव के लोग काफी गर्व महसूस कर रहे हैं।

ऋषभ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से विद्यालय की कक्षाओं में भाग लेने के साथ-साथ उन्होंने स्वाध्याय पर विशेष ध्यान दिया। आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने कोचिंग का भी सहारा लिया, जिससे उन्हें पढ़ाई में काफी मदद मिली।

भविष्य की योजना के बारे में ऋषभ ने बताया कि वह आगे चलकर एलएलबी की पढ़ाई कर वकील बनना चाहते हैं। उनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, गरीब, असहाय और वंचित लोगों की सेवा करना है, ताकि न्याय पाने में उन्हें मदद मिल सके।

विद्यालय के शिक्षक रवि कुमार ने कहा कि ऋषभ ने कक्षा नौ में नामांकन लिया था और तभी से वह पढ़ाई में काफी तेज और मेहनती छात्र रहा है। ऐसे प्रतिभाशाली छात्र की सफलता पर पूरे विद्यालय परिवार को गर्व है।

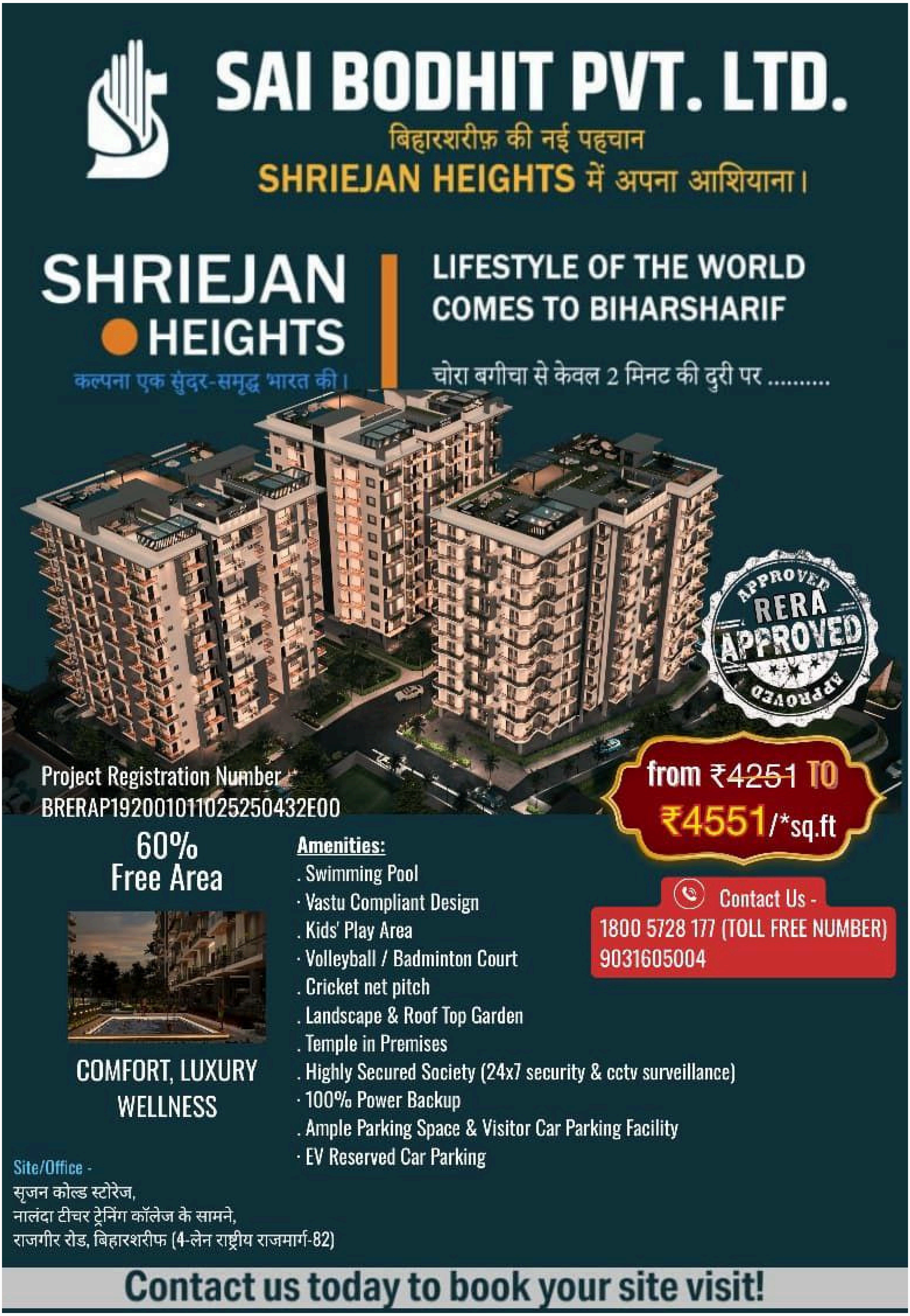
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

राष्ट्रपति आगमन को लेकर राजगीर, सिलाव, नालंदा में ट्रैफिक व्यवस्था बदली

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारत की महामहिम राष्ट्रपति के नालंदा जिले के राजगीर अनुमंडल में 31 मार्च 2026 को प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक नियंत्रण योजना लागू की है। राष्ट्रपति के परिभ्रमण कार्यक्रम के दौरान राजगीर शहर तथा आसपास के क्षेत्रों सिलाव और नालंदा खंडहर में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को देखते हुए कई मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार चौराबगीचा (कारगिल चौक) बिहारशरीफ से राजगीर आने-जाने वाले मार्ग पर सभी प्रकार के व्यावसायिक और सवारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रहेगा। इसके अलावा खुदागंज, वनगंगा और गिरियक से राजगीर की ओर जाने वाले मार्गों पर भी सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिबंधित मार्गों से जुड़ने वाले सभी लिंक रोड पर भी वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

वैकल्पिक मार्ग के रूप में बिहारशरीफ से राजगीर होकर नवादा और गया जाने वाले वाहनों को बख्तियारपुर-रजौली राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर जाने की सलाह दी गई है। गया से सरबहदा होते हुए आने वाले वाहनों को इस्लामपुर मार्ग से परिचालित किया जाएगा। वहीं गया, हिसुआ और नवादा से आने वाली छोटी गाड़ियों को नारदीगंज होते हुए पकड़िया और खराट मार्ग से बिहारशरीफ तथा पटना की ओर भेजा जाएगा।

प्रशासन ने कई स्थानों पर ड्रॉप गेट भी बनाए हैं, जिनमें पिल्खी बायपास, नाहुब मोड़, पंडितपुर मोड़, भुई मोड़ सिलाव, छबिलापुर बस स्टैंड मोड़, विरायतन मोड़,

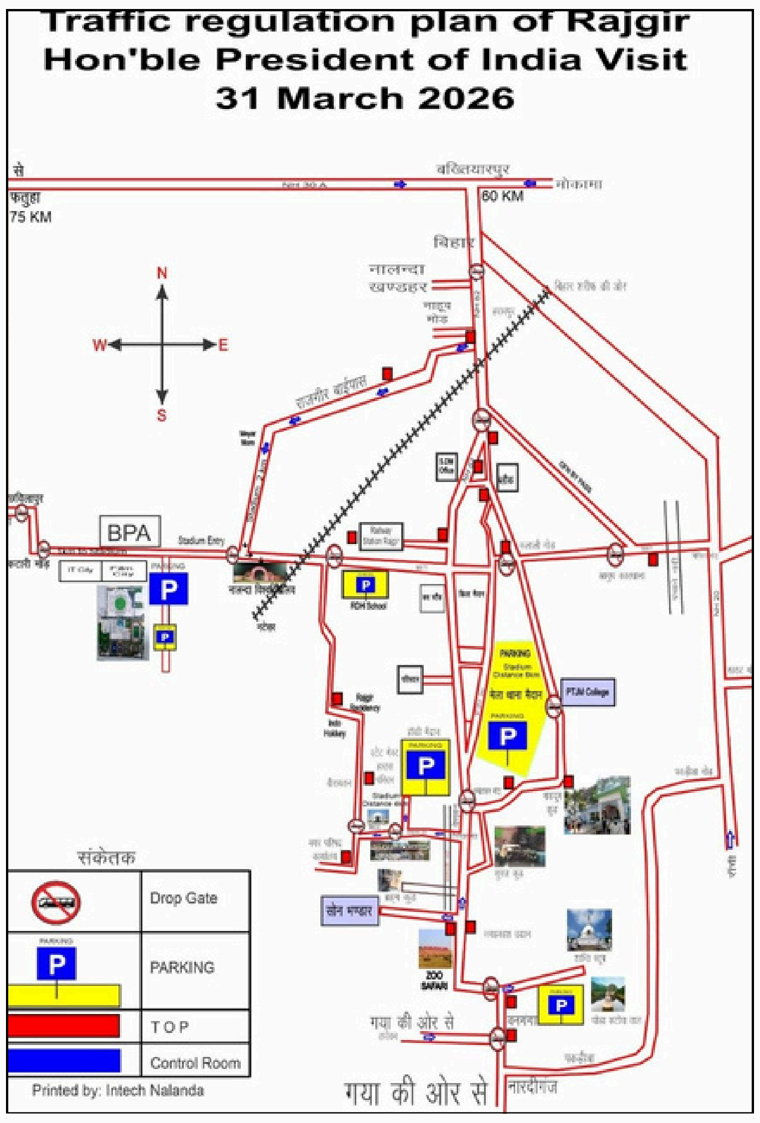

आयुध फैक्ट्री गेट, गिरियक मोड़, कारगिल चौक और वनगंगा शामिल हैं।

वाहनों के लिए रास बिहारी प्लस टू विद्यालय नालंदा, नालंदा खंडहर बस स्टैंड, हवेनसांग स्मृति मार्ग, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स राजगीर, नालंदा विश्वविद्यालय परिसर तथा स्टेट गेस्ट हाउस हॉकी मैदान सहित अन्य स्थानों को पार्किंग स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी राजगीर और सिलाव तथा संबंधित नगर कार्यपालक पदाधिकारियों को इन सभी स्थानों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

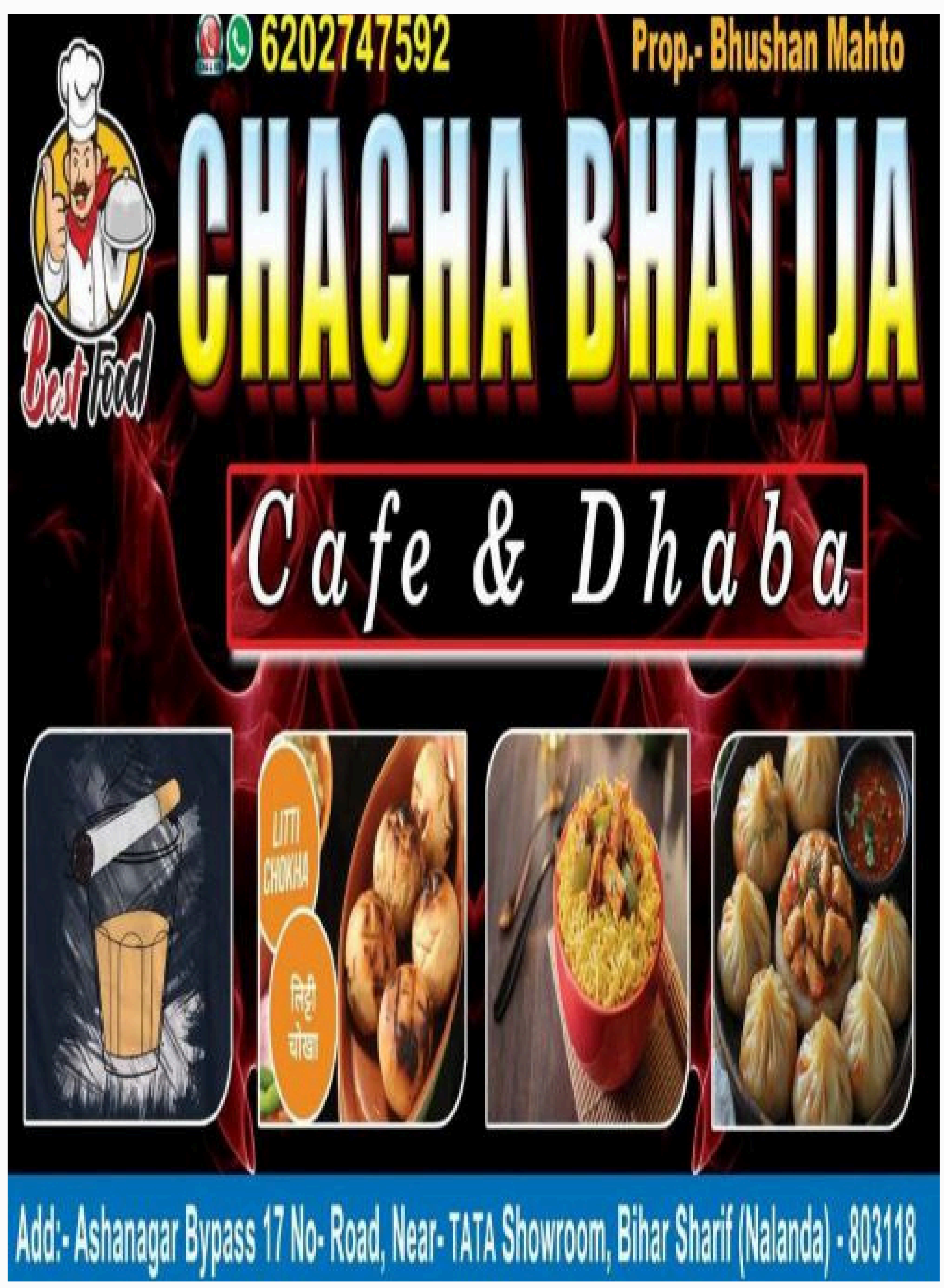

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen

✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels

✓ Modern design, storage

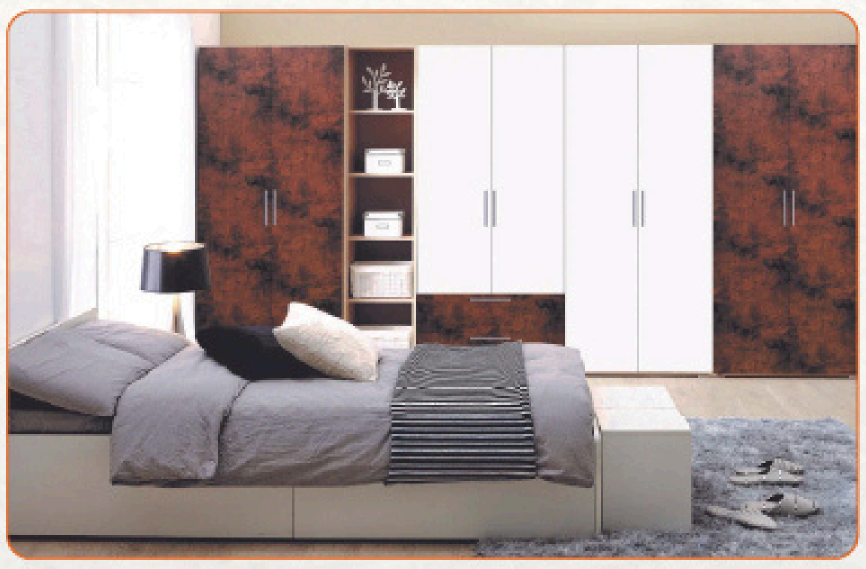

Wardrobes & Closets

✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities

✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578 | www.kalopehomes.com | Patna, Bihar

हिरदन बिगहा खंदा के पास पानी भरे गड्ढे से लापता अधेड़ का शव बरामद

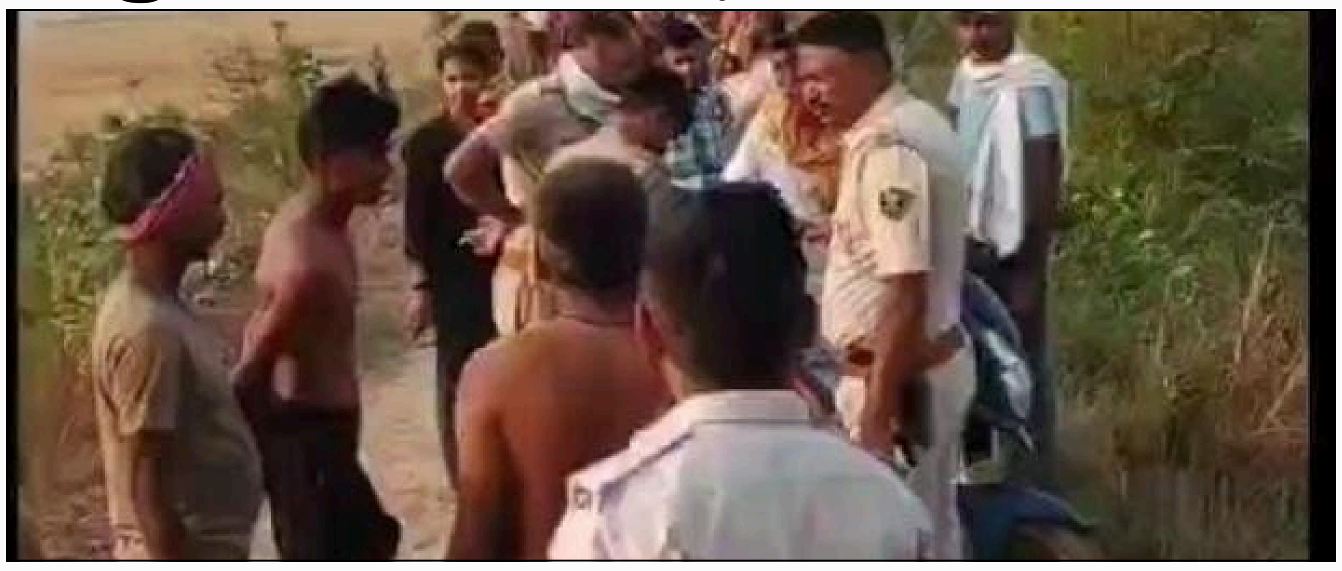

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। तेलमर थाना क्षेत्र के सुनसान इलाके हिरदन बिगहा खंदा के पास स्थित पानी भरे गड्ढे से रविवार की शाम करीब चार बजे एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह खेत में काम करने गए लोगों की नजर गड्ढे में पड़े शव पर पड़ी, जिसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को इसकी सूचना दी।

मृतक की पहचान जीवनपुर गांव निवासी स्वर्गीय बिंदा महतो के पुत्र अमरेंद्र कुमार उर्फ पिक्कु (40 वर्ष) के रूप में की गई है। सूचना मिलते ही तेलमर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल भी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी बुलाया गया, ताकि साक्ष्य जुटाए जा सकें।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार अमरेंद्र कुमार 17 मार्च से ही लापता थे। उस दिन शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रात में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। बाद में परिजनों ने थाना में आवेदन देकर गुमशुदगी की सूचना दी थी।

रविवार को उनके घर से करीब दो किलोमीटर दूर गड्ढे से शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि शव से तेज बदबू आ रही थी और आशंका जताई जा रही है कि किसी ने हत्या कर शव को यहां फेंक दिया है, क्योंकि यह इलाका काफी सुनसान है और यहां लोगों का आना-जाना बहुत कम होता है।

बताया जाता है कि मृतक के परिवार में एक लगभग 20 वर्षीय पुत्री है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

नये वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पारित को लेकर आज हरनौत नपं बोर्ड बैठक

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत कार्यालय में सोमवार को नये वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक बजट को पारित कराने के लिए बोर्ड की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं और विभिन्न योजनाओं के लिए बजट प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

उप मुख्य पार्षद गीता देवी के प्रतिनिधि सुरेश सिंह ने बताया कि बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए नगर पंचायत की आय और व्यय से जुड़े विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही विभिन्न स्थायी समितियों के माध्यम से तैयार की गई योजनाओं और विकास कार्यों को मंजूरी देने पर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि नगर क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण, नाला निर्माण, स्वच्छता व्यवस्था, जलनिकासी, नगर सौंदर्यीकरण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही नगर पंचायत की आय के स्रोतों और विभिन्न मदों में खर्च होने वाली राशि को लेकर भी विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

सुरेश सिंह ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर पंचायत की बैठक में लगभग 88 करोड़ 77 लाख रुपये की योजनाओं पर सर्वसम्मति से मुहर लगी थी। उस बजट में सड़क, नाला, स्वच्छता व्यवस्था और नगर सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों पर विशेष फोकस किया गया था।

हालांकि इस बार की बैठक को लेकर भी चर्चाओं का दौर जारी है। अब देखना होगा कि बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से कोरम पूरा हो पाता है या नहीं। कुछ जनप्रतिनिधि नगर पंचायत के रवैये को लेकर खामोश बताए जा रहे हैं, ऐसे में यह भी चर्चा है कि कहीं बजट बैठक का बहिष्कार न कर दिया जाए।

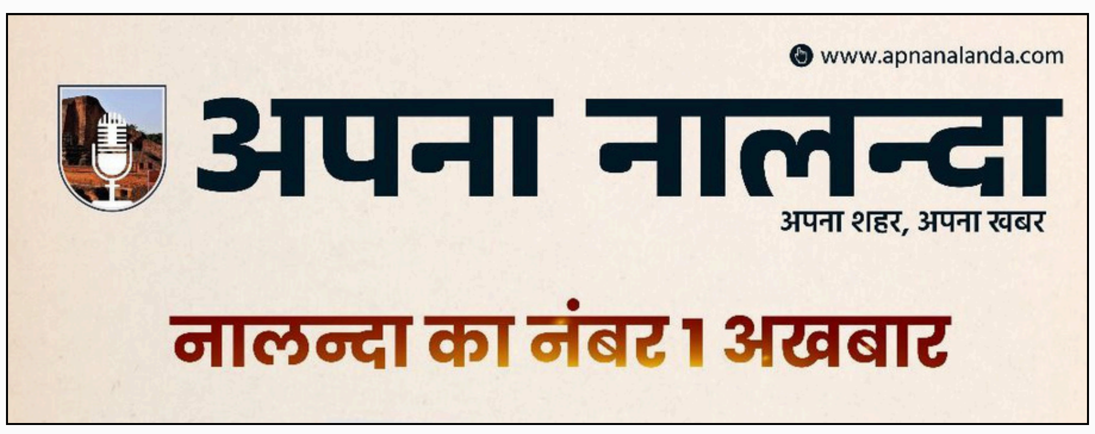

मालती गांव में मंत्री श्रवण कुमार ने किया 'होटल सितारा एंड फैमिली रेस्टोरेंट' का उद्घाटन

रणजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को एक नई सुविधा जुड़ गई, जब ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने अस्थावां प्रखंड के मालती गांव में "होटल सितारा एंड फैमिली रेस्टोरेंट" का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे और व्यवस्थित भोजनालयों की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ऐसे में इस रेस्टोरेंट के खुलने से स्थानीय लोगों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण में भोजन की सुविधा मिलेगी। साथ ही परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने के लिए भी यह एक उपयुक्त स्थान साबित होगा। उन्होंने होटल संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह की पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।इस मौके पर जदयू नेता त्रिनयन कुमार ने भी रेस्टोरेंट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाके में इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होना क्षेत्र के विकास का संकेत है और इससे स्थानीय व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने रेस्टोरेंट की व्यवस्था, साफ-सफाई और वातावरण की सराहना की। वहीं होटल प्रबंधन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बेहतर सेवा प्रदान करने का भरोसा दिलाया।

ग्रामीण क्षेत्र में "होटल सितारा एंड फैमिली रेस्टोरेंट" का शुभारंभ स्थानीय लोगों के लिए एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है, जिससे आसपास के लोगों को अब बेहतर खानपान की सुविधा मिल सकेगी।

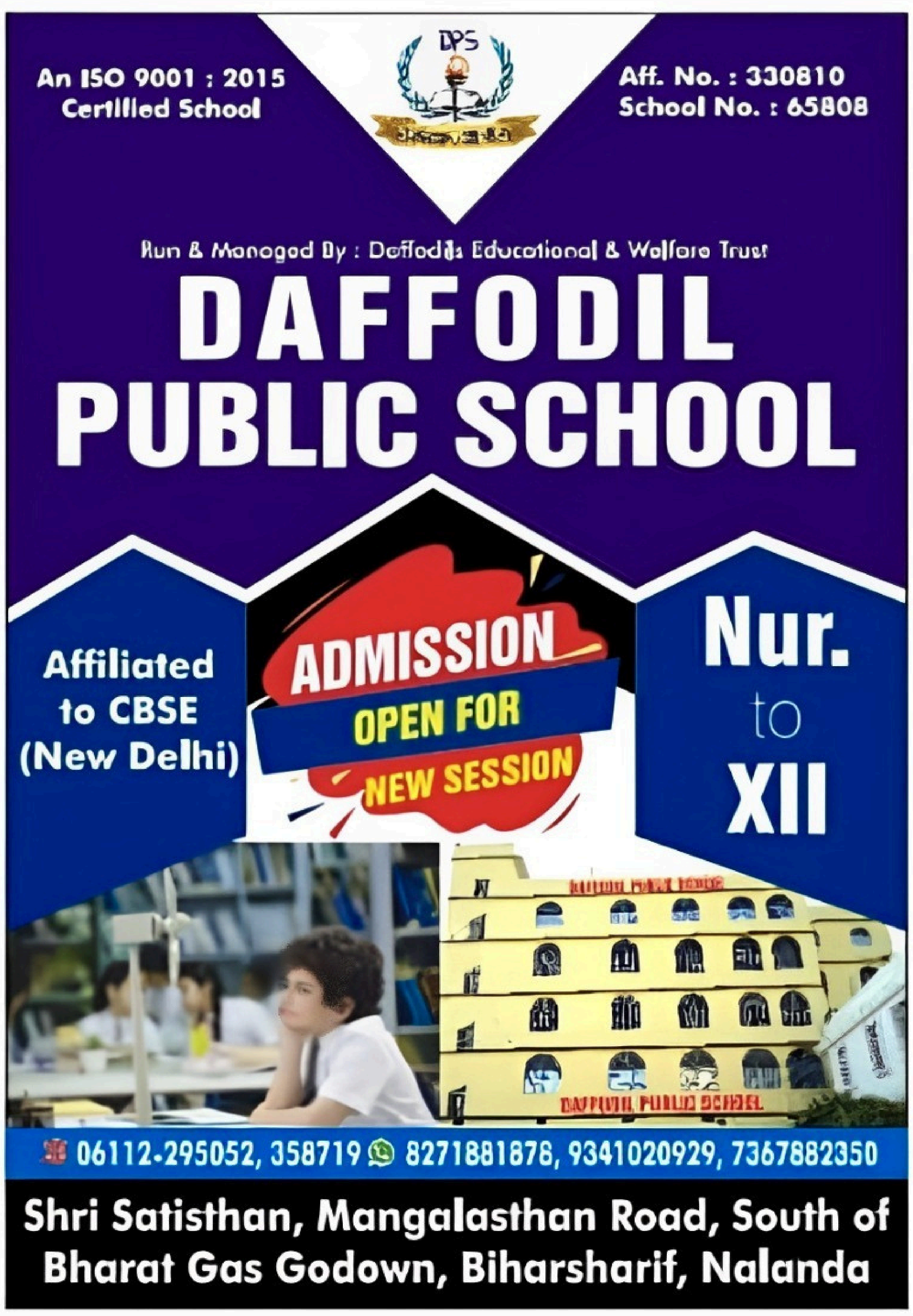

बेबी कॉर्न की खेती कर फंसे किसान, खरीद की गारंटी बनी अधूरी

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड में कृषि विभाग की पहल पर बेबी कॉर्न की खेती करने वाले एक किसान अब अपनी उपज की बिक्री को लेकर परेशान हैं। प्रखंड के कैला पंचायत अंतर्गत रामचक गांव के किसान अरविंद कुमार को प्रखंड कृषि कार्यालय द्वारा अनुदानित दर पर बेबी कॉर्न का बीज उपलब्ध कराया गया था। अधिकारियों ने उन्हें एक एकड़ खेत में इसकी खेती करने के लिए प्रेरित किया था।

किसान अरविंद कुमार ने बताया कि प्रखंड कृषि पदाधिकारी और कृषि समन्वयक के आग्रह पर उन्होंने अपने एक एकड़ खेत में बेबी कॉर्न की खेती की। उस समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि जब फसल तैयार हो जाएगी, तब प्रखंड कृषि कार्यालय से संपर्क करने पर उनकी उपज की बिक्री की व्यवस्था कर दी जाएगी और खरीद की पूरी गारंटी होगी।किसान ने बताया कि अब फसल तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे बेचने के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं बताई जा रही है। उन्होंने जब इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क किया तो उन्हें कृषि समन्वयक से मिलने की सलाह दी गई। वहीं कृषि समन्वयक से संपर्क करने पर उन्होंने इस मामले में अनभिज्ञता जताते हुए कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।किसान का कहना है कि रोपाई के समय अधिकारियों ने खरीद की गारंटी दी थी, लेकिन अब फसल तैयार होने के बाद वे असमंजस की स्थिति में हैं कि अपनी उपज कहां और किसे बेचें। इस स्थिति से किसान आर्थिक नुकसान की आशंका से चिंतित हैं और कृषि विभाग से उचित मार्गदर्शन तथा खरीद की व्यवस्था कराने की मांग कर रहे हैं।

संपादकीय

जे पी चौधरी

सोशल मीडिया की लत पर सख्ती: अदालत के फैसले ने कंपनियों की बढ़ाई जिम्मेदारी

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं।

विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।,

निजी विद्यालयों की चुनौतियों पर बिहारशरीफ में मंथन, भारतीय स्वतंत्र शिक्षण संघ का नौवां समागम सम्पन्न

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित कर्पूरी भवन में भारतीय स्वतंत्र शिक्षण संघ द्वारा निजी विद्यालयों की सत्रांत सभा सह नौवां समागम भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नालंदा समेत राज्य के विभिन्न जिलों से आए निजी विद्यालयों के संचालक, प्राचार्य, शिक्षक और प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत मानस, संरक्षिका श्रीमती रेखा भारती, संरक्षक डॉ. शशिभूषण कुमार, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संतोष कुमार शर्मा, प्रदेश सचिव राजकुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीपति नारायण, गया जिला सचिव विनोद कुमार मेहरवार, नालंदा जिलाध्यक्ष मोहम्मद जाहिद अनवर तथा जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निजी विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं पर व्यापक चर्चा करना और उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल करना था।

सत्रांत सभा के दौरान विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वक्ताओं ने कहा कि बिहार में लगभग 30 हजार निजी विद्यालय संचालित हैं, लेकिन कई जिलों के शिक्षा विभाग के पास इन विद्यालयों का सही और अद्यतन आंकड़ा तक उपलब्ध नहीं है। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि शिक्षा विभाग समय-समय पर नए आदेश जारी करता है, लेकिन निजी विद्यालयों की वास्तविक परिस्थितियों को समझने का गंभीर प्रयास नहीं किया जाता, जिससे विद्यालय संचालकों और शिक्षकों को प्रशासनिक दबाव और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।बैठक में आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2019-20 से कई विद्यालयों को अब तक प्रतिपूर्ति राशि नहीं मिल पाई है। नालंदा जिले में लगभग 600 विद्यालयों ने आरटीई से संबंधित डाटा अपलोड किया था, लेकिन अब तक केवल 167 विद्यालयों की ही प्रक्रिया आगे बढ़ पाई है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत मानस ने कहा कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बाद निजी विद्यालयों के लिए कठिन दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से उबरने के लिए निजी विद्यालयों को संगठित होकर

सरकार और प्रशासन तक अपनी बात पहुंचानी होगी। उन्होंने नालंदा की ऐतिहासिक शैक्षणिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ज्ञान की भूमि है और यहां आयोजित यह सभा निजी विद्यालयों की समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संतोष कुमार शर्मा, प्रदेश सचिव राजकुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीपति नारायण, पटना जिला कार्यकारिणी सदस्य उदय राय, गया जिला सचिव विनोद मेहरवार, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, उपसचिव उदय भास्कर, कार्यक्रम कार्यकारिणी सदस्य निताय कुमार, संयुक्त सचिव विमलेश कुमार, गया जिले के फतेहपुर प्रखंड अध्यक्ष रामावतार प्रसाद, मुजफ्फरपुर से राजनाथ झा तथा मुंगेर से सुमन कल्याण ने भी अपने विचार व्यक्त किए।समारोह के दौरान उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से कई शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसमें नालंदा जिले से रंजीत कुमार, अरविंद प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, अमित कुमार, विकास कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मोहम्मद जाहिद अनवर, विभास कुमार, अरुण कुमार, दीनदयाल सिंह, शिवजी मिश्र, सुजीत शेखर, कुंदन कुमार, विनय कुमार, ओमप्रकाश कुमार, प्रमोद कुमार, तरुण कुमार सोनी, रुदल प्रसाद सिंह, उमेश प्रसाद उमेश, मुकेश कुमार, राजीव कुमार, अकेला कर, जयकिशोर प्रसाद, सत्येंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार, राजन कुमार, रविराज, पीयूष कुमार, सुजीत कुमार, विकास कुमार, प्रसिद्ध नारायण, सोनू कुमार सक्सेना, निशिकांत कुमार, आशीष कुमार, स्मित बब्बर, सौरभ कुमार रंजन, टिंकू पाठक, बेचू सिंह पटेल, प्रमोद कुमार, मुन्ना प्रसाद, अभिषेक कुमार और अर्जुन कुमार सहित अनेक शिक्षकों को सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में नालंदा जिले के लगभग 500 विद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ मुजफ्फरपुर, गया, मुंगेर सहित विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों शिक्षकों और विद्यालय संचालकों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन संघ की संरक्षिका श्रीमती रेखा भारती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बिहार दिवस पर मानपुर विद्यालय में टीएलएम कार्यशाला सह प्रदर्शनी का आयोजन

आर संतोष भारती

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार दिवस 2026 के अवसर पर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मानपुर में टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) कार्यशाला सह प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के शिक्षण सामग्री का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों ने काफी सराहा। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थियों के लिए सरल बनाना था।

कार्यक्रम का संचालन राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त शिक्षक किशोर कुणाल (+2 उच्च विद्यालय अमरावती, प्रखंड बिंद) तथा पम्मी कुमारी (कन्या मध्य विद्यालय हरनौत) ने संयुक्त रूप से किया। दोनों शिक्षकों ने टीएलएम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षण सामग्री के उपयोग से बच्चों को विषयवस्तु समझने में आसानी होती है और उनकी सीखने की रुचि भी बढ़ती है।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने-अपने नवाचारी शिक्षण मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इसमें रमेश कुमार ने प्रथम स्थान तथा नीतीश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशि भूषण प्रसाद, सेवानिवृत्त विज्ञान शिक्षक (प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, जैना मोड़, बोकारो, झारखंड) ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि टीएलएम के माध्यम से शिक्षा को अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर युगल किशोर (सेवानिवृत्त शिक्षक सह शिक्षाविद), शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सूर्यकांत सिंह कांत सहित कई शिक्षक एवं शिक्षाकर्मी उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस्लामपुर के कोचरा में तेजाब हमला कानून पर आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। इस्लामपुर प्रखंड के कोचरा स्थित कुशवाहा भवन में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त निर्देशन में नालंदा जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा तेजाब हमले से संबंधित कानून पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला जज सह अध्यक्ष गुरविन्दर सिंह मलहोत्रा, सचिव राजेश कुमार गौरव तथा हिलसा अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के एडीजे सह अध्यक्ष आलोक कुमार पाण्डेय और एसीजेएम प्रथम सह प्रभारी सचिव हेमन्त कुमार के नेतृत्व में किया गया।

शिविर में पैनल अधिवक्ता विजय कुमार तथा डिपुट पीएलवी आलोक कुमार की अध्यक्षता में लोगों को नालसा योजना 2016 के तहत एसिड अटैक पीड़ितों के अधिकार और कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएलवी आलोक कुमार ने विधिक सेवा प्राधिकार की स्थापना और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका गठन 1987 में हुआ था, जबकि 9 नवम्बर 1995 से यह पूरे देश में प्रभावी रूप से लागू है। उन्होंने बताया कि प्राधिकार का उद्देश्य गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर, विकलांग, निसहाय, अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, पुरुष और बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

पैनल अधिवक्ता विजय कुमार ने बताया कि तेजाब हमला एक गंभीर अपराध है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 326ए और 326बी के तहत कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एसिड अटैक पीड़ितों को कम से कम तीन लाख रुपये मुआवजा देने तथा अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

इस दौरान पटना उच्च न्यायालय एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी मोबाइल और पोर्टेबल साउंड बॉक्स के माध्यम से दिखाया गया।

मौके पर सूरज कुमार, नगीना कुमार, विशुनदेव प्रसाद, नरेश रजक, गोपाल प्रसाद, विजय सिंह, महेश प्रसाद, रामविलास प्रसाद, परमानन्द प्रसाद, सुनैना देवी, नीतू देवी, रेणु देवी, अंजू देवी, कौशल्या देवी, कैली देवी, बबिता देवी, पुनम कुमारी, आरती कुमारी, नेहा कुमारी, उज्ज्वला कुमारी, अनिता देवी और मीना देवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राजगीर सीआरपीएफ प्रशिक्षण केन्द्र में फिजियोथेरेपी शिविर, जवानों को मिला स्वास्थ्य और फिटनेस का मार्गदर्शन

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर स्थित रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र में शनिवार को फिजियोथेरेपी पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम सह निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को फिजियोथेरेपी के महत्व से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी, कर्मी, उनके परिजन तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट एवं इन्चार्ज, आईएचआईएफ नियोरोहैब डॉ. विवेक कुमार सिन्हा (एमपीटी) ने किया। शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी) कमाण्डेंट डॉ. नरेन्द्र कुमार तथा डॉ. सुनीता कुमारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

शिविर में आए प्रतिभागियों को निःशुल्क परामर्श और उपचार प्रदान किया गया।इस अवसर पर डॉ. विवेक कुमार सिन्हा ने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण आजकल पीठ दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ों की समस्या, स्ट्रोक के बाद की स्थिति तथा खेल याप्रशिक्षण के दौरान लगने वाली चोटें आम हो गई हैं। ऐसे में फिजियोथेरेपी एक प्रभावी उपचार पद्धति के रूप में सामने आई है, जो बिना दवाओं के दर्द को कम करने और शरीर की कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक होती है। उन्होंने बताया कि नियमित व्यायाम, सही शारीरिक मुद्रा और स्ट्रेचिंग के माध्यम से दर्द से राहत के साथ-साथ भविष्य में होने वाली समस्याओं से भी बचाव संभव है।कार्यक्रम के दौरान केन्द्र की परिवार कल्याण अध्यक्षा रूबी रस्तोगी, उप कमाण्डेंट नरेश सिंह चौधरी ने भी शिविर में भाग लेकर विशेषज्ञों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। समापन अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक सह प्राचार्य निखिल रस्तोगी ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर चंदु कोले, राज मंगल भक्त, अमित कुमार, चंदन कुमार तिवारी, देवेंद्र सिंह सहित कई अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

हरनौत में छात्रा काजल हत्याकांड का खुलासा जल्द, आरोपी पुलिस के करीब

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड सह अंचल कार्यालय के पास स्थित एक किराये के कमरे में तीन दिन पहले हुई 16 वर्षीय छात्रा काजल कुमारी की मौत के मामले में पुलिस जांच तेज हो गई है। शुरुआती दौर में इसे आत्महत्या की आशंका माना जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि छात्रा की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस का दावा है कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और वह अब गिरफ्तारी से ज्यादा दूर नहीं है।घटना के समय काजल अपने कमरे में कुर्सी पर मृत अवस्था में पड़ी मिली थी। गोली उसके सिर में लगी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कमरे में रखी एक बेंच पर देसी पिस्तौल भी बरामद की गई थी। गोली चलने की आवाज सुनकर मकान मालिक कमरे में पहुंचे तो यह भयावह दृश्य देख आया हैकर उनके होश उड़ गए।पुलिस जांच में सामने कि आरोपी करीब 45 मिनट तक कमरे के अंदर रहा। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार सुबह करीब 8:45 बजे एक युवक कमरे में प्रवेश करता दिखा और 9:45 बजे बाहर निकल गया। इसी दौरान छात्रा को करीब डेढ़ से दो मीटर की दूरी से गोली मारी गई।थानाध्यक्ष सह अनुसंधानकर्ता इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधी की पहचान कर ली गई है तथा जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।बताया जाता है कि छात्रा के माता-पिता इलाज के लिए अहमदाबाद गए हुए थे। शनिवार को उसकी मां निभा देवी और पिता वशिष्ठ नारायण महतो (रेलवे में लोको पायलट) हरनौत पहुंचे, जिसके बाद काजल का अंतिम संस्कार बाढ़ के उमानाथ गंगा घाट पर किया गया।

चंडी विवाह भवन परिसर में नौ लाख से बने सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन हुआ

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। नगर पंचायत के विवाह भवन परिसर में नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय का रविवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह वर्तमान जिला परिषद सदस्य पिंकी कुमारी ने फीता काटकर इस सुविधा का शुभारंभ किया। शौचालय के उद्घाटन से स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया और लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य पिंकी कुमारी ने बताया कि सामुदायिक शौचालय का निर्माण जिला परिषद कोष से प्राप्त पंचम वित्त अनुदान की राशि से कराया गया है। इसकी कुल लागत लगभग 9 लाख 21 हजार रुपये बताई गई है। उन्होंने जानकारी दी कि शौचालय परिसर में महिलाओं के लिए दो तथा पुरुषों के लिए दो अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं। साथ ही इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

उन्होंने कहा कि विवाह भवन परिसर में शौचालय की कमी के कारण खासकर महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब इस सुविधा के शुरू होने से न केवल आसपास के दुकानदारों बल्कि यहां आने वाले ग्राहकों और आम लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

पिंकी कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया गया है और विकास के मामले में चंडी पश्चिमी जिला परिषद क्षेत्र लगातार आगे बढ़ रहा है।

इस मौके पर समाजसेवी प्रेम कुमार सिंहा, विनय कुमार, दीपक कुमार सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय निवासी मौजूद रहे और सभी ने इस पहल की सराहना की।

मैट्रिक परीक्षा में रजनीश कुमार ने 462 अंक लाकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। प्रखंड के रुखाई पंचायत अंतर्गत कुकहरिया गांव के होनहार छात्र रजनीश कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए 462 अंक प्राप्त किए हैं। रजनीश की इस उपलब्धि से न केवल उसके परिवार बल्कि पूरे गांव और प्रखंड में खुशी का माहौल है। उसकी सफलता को लेकर परिजन, ग्रामीण और मित्र काफी गर्व महसूस कर रहे हैं।

रजनीश कुमार, कुकहरिया गांव निवासी सुनील कुमार के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। रजनीश शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी छात्र रहा है और विद्यालय में भी उसकी पढ़ाई को लेकर काफी प्रशंसा होती रही है।

रजनीश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। उसने बताया कि नियमित पढ़ाई, अनुशासन और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन के कारण ही वह यह मुकाम हासिल कर पाया है। उसने कहा कि परिवार का सहयोग और शिक्षकों का आशीर्वाद उसे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित

करता रहा है।

रजनीश ने बताया कि आगे वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश की सेवा करना चाहता है। उसकी इस सफलता पर पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ग्रामीणों का कहना है कि रजनीश की यह उपलब्धि गांव के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

परवलपुर के हसरामपुर बिघा में मत्स्यजीवियों के लिए कॉमन सर्विस सेंटर का उद्घाटन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड अंतर्गत हसरामपुर बिघा गांव में मत्स्यजीवियों और किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। बिहार राज्य मत्स्यजीवी सहकारी संघ लिमिटेड (कॉफेड), पटना के तत्वावधान में परवलपुर प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति परिसर में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह केंद्र मत्स्यजीवियों, किसानों और सहकारी समितियों को एक ही स्थान पर विभिन्न डिजिटल एवं तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधान परिषद के सदस्य एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री हरि सहनी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन चुका है। इसके माध्यम से मत्स्यजीवी समुदाय को सरकारी योजनाओं, बैंकिंग, बीमा और अन्य डिजिटल सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर आसानी से प्राप्त होगा। उन्होंने इसे डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कॉफेड, पटना के प्रबंध निदेशक राकेश कश्यप ने कहा कि कॉफेड का मुख्य उद्देश्य मत्स्यजीवियों और सहकारी समितियों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और वित्तीय सेवाओं से जोड़ना है, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने बताया कि यह कॉमन सर्विस सेंटर "वन स्टॉप सॉल्यूशन सेंटर" के रूप में कार्य करेगा, जहां मछुआरों का एनएफडीबी पोर्टल पर पंजीकरण, मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित सेवाएं, मछुआरा बीमा, नाव बीमा, मछली बीमा और फसल बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा आधार, पैन, बैंकिंग और डिजिटल भुगतान सेवाओं के साथ प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ भी यहां से मिलेगा।उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार द्वारा सहकारिता मंत्रालय तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 20 हजार 50 करोड़ रुपये, फिशरीज इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के तहत 7 हजार 522 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत 6 हजार करोड़ रुपये की योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनसे मत्स्यजीवियों के विकास को गति मिल रही है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉफेड के निदेशक शिवनंदन प्रसाद तथा पटना मत्स्य क्रय-विक्रय सहकारी संघ के निदेशक मदन कुमार सहनी ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इस तरह के केंद्र मत्स्यजीवियों के आर्थिक सशक्तिकरण, डिजिटलीकरण और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परवलपुर प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति के मंत्री राजकुमार केवट ने की।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र स्थानीय मत्स्यजीवियों के लिए डिजिटल सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनेगा और उन्हें आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण तथा बाजार से जोड़ने में सहायक होगा।

समारोह के दौरान अतिथियों ने समिति को कॉमन सर्विस सेंटर का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय मत्स्यजीवी, किसान, युवा और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉफेड टीम, स्थानीय समिति के सदस्यों और सहयोगी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में मीडिया प्रभारी गोपी कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भैदी गांव में अवैध चुलाई शराब के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, 80 लीटर छोवा नष्ट

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। कतरीसराय थाना क्षेत्र के भैदी गांव स्थित चौधरी टोला में अवैध रूप से चुलाई शराब बनाने के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई का नेतृत्व अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार ने किया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भैदी गांव के चौधरी टोला में कुछ लोग चोरी-छिपे चुलाई शराब बनाने का काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। इस दौरान एक घर से चुलाई शराब बनाने के लिए तैयार किया जा रहा करीब 80 लीटर छोवा (कच्चा माल) और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए।छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके पर ही अवैध रूप से तैयार किए जा रहे कच्चे माल और उपकरणों को नष्ट कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है

और इसमेंसंलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार निगरानी और छापेमारी अभियान जारी रहेगा। वहीं इस कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध शराब बनाने वाले लोगों में भय का माहौल देखा जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान से अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगेगी और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेहतर होगी।

डॉ आरती को प्रयागराज में मिला 'सुभद्रा कुमारी चौहान सम्मान'

पटना (अपना नालंदा)।साहित्यिक संस्था 'गुफ्तगू' द्वारा 28 और 29 मार्च को 'प्रयागराज लिटरेरी फेस्टिवल-2026' का आयोजन आर्य कन्या इंटर कॉलेज (अंग्रेजी माध्यम) स्थित पिंक हाल में किया गया। इस समारोह में मुजफ्फरपुर शहर की डॉ आरती कुमारी को साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'सुभद्रा कुमारी चौहान अवार्ड' 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें मुख्य अतिथि सौरभ श्याम शमशेरी (इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति), कार्यक्रम अध्यक्ष रजा मुराद (फिल्म अभिनेता) , विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से शॉल, श्रीफल, मेमेंटो, एवं सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ इम्तियाज अहमद गाजी ने सभी सम्मानित साहित्यकारों का परिचय दिया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

माड़ीपुर स्थित डॉ आरती कुमारी वर्तमान में मुजफ्फरपुर के रामदयालु सिंह महाविद्यालय में अंग्रेजी की सहायक प्राध्यापक हैं। उनकी अब तक कुल छः पुस्तकें प्रकाशित हैं जिनमें धड़कनों का संगीत, साथ रखना है और

मुंतज़िर है दिल काव्य और ग़ज़ल संग्रह हैं तथा उन्होंने तीन पुस्तकों बिहार की महिला ग़ज़लकार, ये नए मिज़ाज का शहर है, एक और दधीचि - कमलनयन श्रीवास्तव आदि का संपादन किया है। उनकी रचनाएं दूरदर्शन व आकाशवाणी से प्रसारित होते रहती हैं। उनकी रचनाएं लगातार पत्र पत्रिकाओं में तथा कविताकोश, रेख़्ता पर प्रसारित हैं। अब तक उन्हें कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है जिसमें शाद अजीमाबादी सम्मान, उर्मिला कौल साहित्य साधना सम्मान, कुमार नयन स्मृति सम्मान, हिंदी सेवी सम्मान, गोपी वल्लभ सहाय सम्मान आदि हैं। इस अवसर पर शहर के कई साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी है।

दीक्षांत समारोह में नालंदा विश्वविद्यालय ने अपनाया खादी और अहिंसा रेशम परिधान

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय आगामी मंगलवार को अपने द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने पारंपरिक औपनिवेशिक दीक्षांत गाउन की जगह भारतीय परंपरा और पर्यावरणीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए विशेष अकादमिक परिधान अपनाने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस बार विद्यार्थियों के लिए खादी से बने परिधान तैयार किए गए हैं, जबकि विशिष्ट अतिथियों और आगंतुकों के लिए अहिंसा रेशम (पीस सिल्क) से निर्मित वस्त्र तैयार किए गए हैं। इस रेशम में बिहार का प्रसिद्ध भागलपुरी रेशम भी शामिल है। अहिंसा रेशम एक पर्यावरण अनुकूल और क्रूरता मुक्त कपड़ा माना जाता है, जिसमें रेशम के कीड़ों को बिना हानि पहुंचाए उनके कोकून से स्वाभाविक रूप से बाहर आने दिया जाता है। यह कपड़ा हल्का, आरामदायक और स्थानीय जलवायु के अनुकूल होता है।

विश्वविद्यालय का कहना है कि यह पहल अकादमिक गरिमा को बनाए रखते हुए भारतीय परंपरा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के मूल्यों को भी आगे बढ़ाती है। परिधानों का डिजाइन और रंग संयोजन विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह तथा "द नालंदा वे" की अवधारणा से प्रेरित है, जो मानव और प्रकृति के सहअस्तित्व का संदेश देता है।

इस अवसर पर अतिथियों को दिए जाने वाले अंगवस्त्र बिहार के नेपुरा और बसवन बिगहा के बुनकरों से विशेष रूप से तैयार कराए गए हैं। साथ ही पारंपरिक 'बावन बूटी' बुनाई कला को भी इसमें प्रमुखता दी गई है। यह पहल स्थानीय महिला समूहों और कारीगरों की सहभागिता से पूरी की गई है, जिससे बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा मिल रहा है।

थरथरी बाजार साइबर कैफे मारपीट तोड़फोड़ मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

थरथरी (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के थरथरी बाजार स्थित एक साइबर कैफे में मारपीट, तोड़फोड़ और हवाई फायरिंग के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अतबलचक निवासी सुधीर यादव के पुत्र विकास कुमार तथा सतेन्द्र यादव के पुत्र कुनाल कुमार शामिल हैं। पुलिस ने विकास कुमार को नूरसराय बाजार से जबकि कुनाल कुमार को उसके गांव अतबलचक से गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 24 मार्च को थरथरी स्थित भारत गैस एजेंसी पर गैस सिलेंडर लेने को लेकर कुनाल कुमार का किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी विवाद को लेकर उसने बदला लेने की नीयत से 28 मार्च को करीब एक दर्जन बदमाशों के साथ थरथरी बाजार पहुंचकर उत्पात मचाया। सभी बदमाश बाइक पर सवार थे और उनके पास हथियार भी मौजूद थे।बताया जाता है कि बदमाश सीधे अविनाश साइबर कैफे में घुस गए। वहां मौजूद कैफे संचालक हरेराम कुमार को देखते ही आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बदमाशों ने कैफे में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान कुछ बदमाश बाहर खड़े होकर दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग भी करते रहे। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी हथियार लहराते हुए बाइक से फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित हरेराम कुमार ने थरथरी थाना में पांच नामजद तथा चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष साजिद अख्तर ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

31 मार्च तक प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने पर ब्याज और जुर्माना माफी का मिलेगा लाभ

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार की ओर से नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से एकमुश्त प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने पर ब्याज और जुर्माना माफी की विशेष योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत 31 मार्च 2026 तक बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने पर करदाताओं को ब्याज राशि से पूरी तरह छूट दी जा रही है।

बिहारशरीफ नगर निगम ने शहर के सभी करदाताओं से अपील की है कि जिन लोगों ने अभी तक अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं किया है, वे शेष बचे तीन दिनों के भीतर अपना बकाया कर जमा कर इस योजना का लाभ उठाएं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 31 मार्च 2026 के बाद प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने पर करदाताओं को ब्याज राशि के साथ कर जमा करना होगा।नगर निगम की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि नागरिक अपने वार्ड के कर संग्राहक से संपर्क कर भी प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यम से भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। करदाता बिहारशरीफ नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर या नगर निगम के मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड कर आसानी से अपना कर जमा कर सकते हैं।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि समय सीमा समाप्त होने से पहले अपना बकाया संपत्ति कर जमा कर ब्याज और जुर्माना माफी योजना का लाभ उठाएं।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

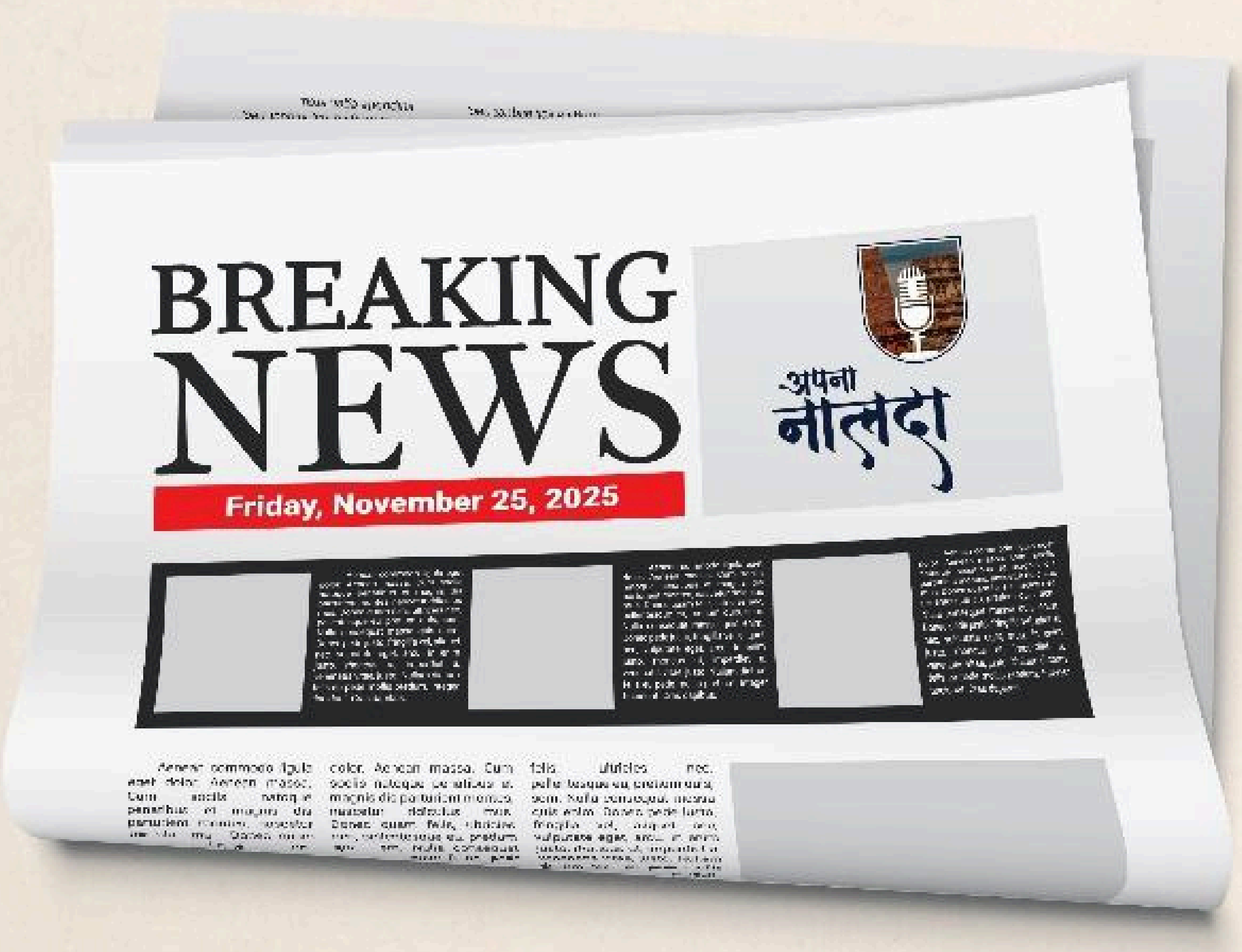

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251